

कानपुर एक्सप्रेसवे के लोकार्पण के साथ दो परियोजनाओं की नींव

सुविधा

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। बन कर तैयार लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर वाहन दौड़ाने की चाहत रखने वालों का इंतजार शीघ्र ही खत्म होने वाला है। इसके लोकार्पण के लिए प्रधानमंत्री की मौजूदगी को लेकर पीएमओ कार्यालय से पहले ही हरी झंडी मिल चुकी है। लोकार्पण की तारीख भी नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचआई) को शीघ्र ही मिलने वाली है। प्रधानमंत्री इसके साथ ही प्रदेश में दो और हाईवे



परियोजनाओं का भी शिलान्यास भी करेंगे।

एनएचआई के अनुसार लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के लोकार्पण के

- कानपुर-कबरई व बाराबंकी-बहराइच हाईवे परियोजनाओं का शिलान्यास होगा
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे लोकार्पण और हाईवे का शिलान्यास

साथ जिन दो महती परियोजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा, उसमें बाराबंकी-बहराइच और कानपुर-कबरई मार्ग शामिल है। इन दोनों ही

बाराबंकी-बहराइच हाईवे दो से चार लेन का होगा

102 किमी लंबा बाराबंकी-बहराइच हाईवे दो लेन का है, जिसे फोर लेन किया जाना है। निर्माण के लिए केंद्र से सात हजार करोड़ रुपये की मंजूरी मिल चुकी है। भूमि अधिग्रहण का काम शुरू हो चुका है। बहराइच में 140 व बाराबंकी में 110 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जाना है।

परियोजनाओं के लिए केंद्रीय कैबिनेट से हरी झंडी मिल चुकी है। निर्माण कार्य के लिए धनराशि भी मंजूरी दी जा चुकी है। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस

कानपुर-कबरई के बीच नया ग्रीन फील्ड हाईवे

कानपुर-कबरई के बीच नया हाईवे बनेगा। यह ग्रीन फील्ड हाईवे 112 किमी लंबा होगा। इसके निर्माण के लिए केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिल चुकी है। इसकी निर्माण लागत लगभग तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक है। यह हाईवे कानपुर से फतेहपुर और हमीरपुर होकर गुजरेंगा।

वे लगभग 4700 करोड़ से की लागत से तैयार किया जा चुका है। लगभग 63 किमी लंबे इस एक्सप्रेसवे में 42 किमी का ग्रीन फील्ड शामिल है।

47 सौ करोड़ से बने 63 किमी लंबे इस एक्सप्रेसवे में 42 किमी ग्रीन फील्ड

क्या है ग्रीन फील्ड हाईवे

जिस मार्ग से पहले कोई सड़क न निकली हो और आसपास कोई रिहाइश न हो, वहां से नए सिरे से जब हाईवे

निकाला जाता है तो उसे ग्रीन फील्ड हाईवे कहते हैं।

ऐसे हाईवे के दोनों तरफ काफी संख्या में पौधरोपण किया जाता है, जिससे कि हाईवे पर गुजरने वाले वाहनों के कारण प्रदूषण की समस्या न आए। पर्यावरण संतुलन बना रहे।